

[This question paper contains 4 printed pages.]

6373

Your Roll No.

LL.B./IV Term

A

Paper – LB-4036 : CRIMINOLOGY

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

Note :- Answers may be written either in English or in
Hindi; but the same medium should be used
throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए;
लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **five** questions in all, including
Question No. 1 which is compulsory.
All questions carry equal marks.

अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 सहित कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिये।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Answer briefly any **four** of the following :
 - (a) Bonger's theory of economic pressure
 - (b) Cyber crime and its ramifications
 - (c) Trafficking in children
 - (d) Money laundering and Indian scenario
 - (e) Prakash Singh V. Union of India (2006) 8 SCC 1

P.T.O.

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :

- (क) बॉगर का आर्थिक दबाव का सिद्धान्त
- (ख) साइबर अपराध और इनके परिणाम
- (ग) बाल-दुर्व्यापार
- (घ) धन का अवैध व्यापार और भारतीय परिदृश्य
- (ङ) प्रकाश सिंह बनाम यूनियन ऑफ इन्डिया (2006) 8 एस सी सी 1

2. Some criminologists have found the legal definition of crime to be inadequate and have discarded it in favour of the social definition, while others consider only legal definition to be suitable for scientific criminological research. Discuss the problem of definition giving your own preference.

Do you agree that crime is a tool in the hands of ruling class to be used for protection of its own interests ?

कुछ अपराधविज्ञानियों को अपराध की विधिक परिभाषा अपर्याप्त लगी है जिसे उन्होंने सामाजिक परिभाषा के पक्ष में त्याग दिया है जबकि अन्य अपराधविज्ञानी अपराधविज्ञान के वैज्ञानिक शोध के लिए केवल विधिक परिभाषा को उपयुक्त ठहराते हैं। परिभाषा की इस समस्या का अपनी अधिमानता दर्शाते हुए विवेचन कीजिए।

क्या आप सहमत हैं कि अपराध शासक वर्ग के हाथ में अपने स्वयं के हितों के संरक्षण के लिए प्रयुक्त किए जाने का हथियार होता है ?

3. "Positivist and classical criminology in reality are part of the same enterprise, however, basic controversy between them is empirical rather than theoretical." Critically comment on this statement.

"निश्चयवादी और क्लासिकी अपराधविज्ञान वस्तुतः उसी उद्यमशीलता के भाग हैं, किन्तु उनके बीच आधारभूत विवाद सैद्धान्तिक न होकर आनुभविक होता है।" इस पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।

4. Sutherlands theory of Differential Association attributes criminality to learning. Discuss in relation to the present conditions of corruption in public life in India.

सदरलैंड्स का भेदमूलक साहचर्य अपराधिकता के लिए ज्ञानशीलता को उत्तरदायी ठहराता है। भारत में सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार की वर्तमान स्थितियों के सम्बन्ध में इसका विवेचन कीजिए।

5. Shyam has been convicted for killing his two daughters and grievously hurting his wife and son, in a bid to sacrifice them all to the deity for pleasing her. What punishment would you impose for the murder? Give reasons.

What constitutes 'special reasons' and 'rarest of the rare case' for imposing death penalty?

श्याम को अपने देवता को प्रसन्न करने के लिए बलि देने के प्रयास में अपनी दो पुत्रियों को मारने तथा अपनी पत्नी व पुत्र को घोर उपहति पहुंचाने के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है। आप हत्या के लिए क्या दंड आरोपित करोगे? तर्क दीजिए।

मृत्यु दंड आरोपित करने के लिए 'विशेष कारण' और 'विरले मामलों में से विरलतम' का निर्माण कौन करता है ?

6. In the era of human rights jurisprudence, the philosophy of deterrent punishment has given way to that of Reformatory philosophy for the rehabilitation and re-assimilation of the offender in the society. Discuss and state whether it serves the Indian conditions.

मानव अधिकारों के विधिशास्त्र के युग में समाज में अपराधी के पुनर्वासन तथा आत्मसात्करण हेतु भयपरक दंड की विचारधारा का स्थान सुधारात्मक विचारधारा ने ले लिया है। विवेचन कीजिए तथा उल्लेख कीजिए कि क्या भारतीय परिवेश में इससे कोई लाभ पहुंचा है ?

7. (a) How is Juvenile delinquency different from crime ?
 (b) What orders may be passed in relation to juveniles in conflict with law and children in need of care and protection under the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2000.

(क) अपराध से किशोर-अपचारिता किस रूप में भिन्न है ?

(ख) किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत विधि विपरीत किशोरों और देखरेख तथा संरक्षण के जरूरतमंद बालकों के बारे में क्या आदेश पारित हो सकते हैं ?

8. Elaborate the concept and development of Restitutive justice in India with special reference to victims of crime.

अपराध के पीड़ितों के विशेष सन्दर्भ में भारत में प्रत्यास्थापक न्याय की संकल्पना और विकास की व्याख्या कीजिए।